राधा झूला झूल रही | By Pradeep Ashirwad

सावन की बरसी ठंडी फुहार
पेड़ो पे झूलो की लगी कतार
राधा झूला झूल रही संग श्याम के
राधा झूला झूल रही संग श्याम के

श्याम की बंसुरिया गीत मल्हार के गा रही है
बादलो से जैसे आज मोती से बरसा रही है
पवन चले पुरवाई
राधा झूला झूल रही संग श्याम के
राधा झूला झूल रही संग श्याम के

कूकती है कोयल पीहू पीहू पपीहा पुकारे
हर कदम्ब की डाली बोले आओ सांवरिया हमारे
झूलन की रुत आई
राधा झूला झूल रही संग श्याम के
राधा झूला झूल रही संग श्याम के

इस युगल छवि का कौन हो जाएगा ना दीवाना
राधा जु श्यामा सी परवाने से लगते हैं कान्हा
छवि मेरे मन भाई
राधा झूला झूल रही संग श्याम के
राधा झूला झूल रही संग श्याम के

ग्वाल बाल सखियाँ आज होके मगन नाचते हिऐं
हाथ जोड़ इनसे आशीर्वाद सब मांगते हैं
महिमा जाये ना गाई
राधा झूला झूल रही संग श्याम के
राधा झूला झूल रही संग श्याम के

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a4%be-%e0%a4%9d%e0%a5%82%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%9d%e0%a5%82%e0%a4%b2-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%80-by-pradeep-ashirwad/